



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

देहरादून, शुक्रवार, 20 दिसम्बर, 2013 ई0

अग्रहायण 29, 1935 शक सम्वत्

उत्तराखण्ड शासन

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-2

संख्या 4057/XXIV-2/2013-23(03)/2011

देहरादून, 20 दिसम्बर, 2013

अधिसूचना

प्रकीर्ण

प0 आ0-294

राज्यपाल "भारत का संविधान" के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके तथा इस विषय के विद्यमान समस्त नियमों और आदेशों का अधिक्रमण करते हुए उत्तराखण्ड राज्य शैक्षिक सेवा (प्रशासनिक संवर्ग) में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती तथा सेवा की शर्तों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :-

उत्तराखण्ड राज्य शैक्षिक (प्रशासनिक संवर्ग) सेवा नियमावली, 2013

भाग एक-सामान्य

संक्षिप्त नाम और

प्रारम्भ 1- (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड राज्य शैक्षिक (प्रशासनिक संवर्ग) सेवा नियमावली, 2013 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

सेवा की 2- उत्तराखण्ड राज्य शैक्षिक (प्रशासनिक संवर्ग) सेवा एक राज्य सेवा है जिसमें समूह 'क' एवं 'ख' प्राप्ति के पद सम्मिलित हैं।

परिभाषाएं 3- जब तक कि सन्दर्भ या विषय में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में :-

- (क) "नियुक्ति प्राधिकारी" से राज्यपाल अभिप्रेत हैं;
- (ख) "भारत का नागरिक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो "भारत का संविधान" के भाग दो के अधीन भारत का नागरिक हो या भारत का नागरिक समझा जाता है;
- (ग) "आयोग" से उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है;
- (घ) "संविधान" से "भारत का संविधान" अभिप्रेत है;
- (ङ) "सरकार से उत्तराखण्ड राज्य की सरकार अभिप्रेत है;
- (च) "राज्यपाल" से उत्तराखण्ड के राज्यपाल अभिप्रेत है;
- (छ) "सेवा का सदस्य" से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर इस नियमावली के प्रारम्भ होने के पूर्व प्रवृत्त इस नियमावली के नियमों या आदेशों के अधीन मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है;
- (ज) "सेवा" से उत्तराखण्ड राज्य शैक्षिक (प्रशासनिक संवर्ग) सेवा अभिप्रेत है;
- (झ) "मौलिक नियुक्ति" से सेवा में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है; जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमानुसार चयन के पश्चात् की गयी हो; और यदि कोई नियम न हो तो सरकार द्वारा जारी किये गये कार्यपालक अनुदेशों द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार की गयी हो;
- (ञ) "भर्ती का वर्ष" से किसी कैलेंडर वर्ष के जुलाई के प्रथम दिवस से आरम्भ होने वाली बारह मास की अवधि अभिप्रेत है।

भाग दो- संवर्ग

- सेवा संवर्ग 4- (1) सेवा की सदस्य संख्या और उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या उतनी होगी जितनी सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाय।
- (2) जब तक कि नियम (1) के अधीन परिवर्तन करने के आदेश न दिए जायें, सेवा की सदस्य और उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या उतनी होगी जो परिशिष्ट 'क' में दी गयी है; परन्तु यह कि-
- (एक) नियुक्ति प्राधिकारी किसी रिक्त पद को बिना भरे हुए रख सकता है या राज्यपाल उसे आस्थगित रख सकते हैं। जिससे कोई व्यक्ति प्रतिकर का हकदार नहीं होगा;
- (दो) राज्यपाल ऐसे अतिरिक्त स्थायी अथवा अस्थायी पद सृजित कर सकते हैं जैसा वे उचित समझें।

भाग तीन- भर्ती

सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों की भर्ती निम्नलिखित स्रोतों से की जायेगी; अर्थात्-

भर्ती का स्रोत 5-

- (एक) निदेशक (माध्यमिक शिक्षा), निदेशक (प्रारम्भिक शिक्षा), निदेशक (अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण) परिशिष्ट 'क' के क्रम संख्या 2 पर उल्लिखित पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त अपर शिक्षा निदेशकों में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में 3 (तीन) वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से श्रेष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा।
- (दो) अपर शिक्षा निदेशक, (महानिदेशालय/माध्यमिक शिक्षा निदेशालय/प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय/एस.सी.ई.आर.टी. /सीमैट) मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक शिक्षा/प्रारम्भिक शिक्षा), सचिव उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद परिशिष्ट 'क' के क्रम संख्या 3 पर उल्लिखित पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त संयुक्त शिक्षा निदेशकों में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को अपने संवर्ग में कुल 20 वर्ष की सेवा तथा संयुक्त निदेशक पद पर 2 (दो) वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से श्रेष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा।

(तीन) संयुक्त शिक्षा निदेशक (महानिदेशालय, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय)

अपर सचिव, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद्, विभागाध्यक्ष (सीमैट), मुख्य शिक्षा अधिकारी

परिशिष्ट 'क' के क्रम संख्या 4 पर उल्लिखित पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त उप शिक्षा निदेशकों में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को अपने संवर्ग में कुल 15 (पन्द्रह) वर्ष की सेवा तथा उप शिक्षा निदेशक की पद पर 2 (दो) वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से श्रेष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा।

(चार) उप निदेशक, (महानिदेशालय / माध्यमिक शिक्षा निदेशालय / प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय / संयुक्त सचिव, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद्, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक शिक्षा / प्रारम्भिक शिक्षा)

परिशिष्ट 'क' के क्रम संख्या 5 पर उल्लिखित पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त अधिकारियों में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को अपने संवर्ग में कुल 10 (दस) वर्ष की सेवा अथवा परिशिष्ट 'क' के क्रम संख्या-5 पर उल्लिखित पद के वेतनमान में 4 (चार) वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

(पाँच) खण्ड शिक्षा अधिकारी, उप सचिव, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद्, राज्य विधि अधिकारी (महानिदेशालय एवं माध्यमिक शिक्षा)

परिशिष्ट 'क' के क्रम संख्या 6 पर उल्लिखित पदों पर स्थायी अधिकारियों में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में 5 (पाँच) वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा।

(छः) (i) उप शिक्षा अधिकारी, स्टाफ ऑफिसर (प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक / माध्यमिक शिक्षा निदेशक)

शत-प्रतिशत लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।

(ii) विधि अधिकारी (प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय), मण्डलीय विधि अधिकारी (माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा)

परिशिष्ट के क्रम संख्या 6 पर कार्यरत अधिकारियों में से जिन्होंने भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से विधि स्नातक की उपाधि प्राप्त की हो की तैनाती की जायेगी।

टिप्पणी— यदि क्रम संख्या—दो एवं तीन पर उल्लिखित अपर शिक्षा निदेशकों एवं संयुक्त शिक्षा निदेशकों के पदों पर पदोन्नति हेतु उपयुक्त पात्र अधिकारी उपलब्ध न हो तो केवल चयन वर्ष 2013-14 के लिए ही उस संवर्ग में जिसका वह सदस्य है, में निर्धारित सेवा अवधि में अधिकतम 50 प्रतिशत की सीमा तक शिथिलता प्रदान की जायेगी।

आरक्षण 6— उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण भर्ती के समय प्रवृत्त सरकार के आदेशों के अनुसार किया जाएगा।

राष्ट्रीयता 7—

भाग चार— अर्हता

सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से 01 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हो, होना चाहिए, या

(ग) भारतीय मूल का व्यक्ति जिसने भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका तथा केनिया, युगाण्डा और संयुक्त तंजानियाँ गणराज्य (पूर्ववर्ती तांगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीका देशों से प्रव्रजन किया हो;

परन्तु उक्त श्रेणी (ख) और (ग) से संबंधित अभ्यर्थी ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो;

परन्तु यह और कि श्रेणी (ख) से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिए भी उप पुलिस, महानिदेशक अभिसूचना शाखा, उत्तराखण्ड द्वारा प्रदत्त पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा।

(2) नियुक्ति प्राधिकारी ऐसे कारणों से, जो अभिलिखित किये जाएंगे, पृथक-पृथक मामलों में परीक्षा की अवधि बढ़ा सकता है, जिसमें ऐसी तारीख विनिर्दिष्ट की जाएगी, जब तक अवधि बढ़ायी जाय; परन्तु आपवादिक परिस्थितियों के सिवाय परीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक और किसी भी परिस्थिति में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जाएगी।

(3) यदि नियुक्ति प्राधिकारी को प्रतीत होता है कि परीक्षा अवधि के दौरान किसी समय या परीक्षा अवधि की समाप्ति अथवा परीक्षा की बढ़ाई गयी अवधि में किसी परीक्षाधीन द्वारा अपने अवसरों का पर्याप्त उपयोग नहीं किया गया है या अन्यथा समाधान प्रदान करने में असफल रहा है, तो उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जायेंगी।

(4) नियुक्ति प्राधिकारी परीक्षा अवधि की संगणना के प्रयोजन हेतु उस निरन्तर सेवा को गिने जाने की अनुमति दे सकेगा, जो उस विशिष्ट संवर्ग में शामिल किये गए पद पर या किसी समान अथवा उच्चतर पद पर स्थानापन्न या अस्थायी रूप में प्रदान की गयी हो।

प्रशिक्षण और विभागीय
परीक्षा 19-

सीधी भर्ती द्वारा सेवा में नियुक्ति के लिए चुने गये सभी अभ्यर्थियों से ऐसे प्रशिक्षण पूरा करने और ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने की अपेक्षा की जाएगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर विहित की जाय।

स्थायीकरण 20-

परीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति में उसकी परीक्षा अवधि या बढ़ाई गयी परीक्षा अवधि की समाप्ति पर स्थायी किया जा सकेगा यदि उसने-

(क) विहित विभागीय परीक्षा, यदि कोई है, उत्तीर्ण कर ली हो;

(ख) विहित प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया हो;

(ग) उसका कार्य और आचरण सन्तोषजनक बताया गया हो;

(घ) उसकी सत्यनिष्ठा अभिप्रमाणित है; तथा

(ङ) नियुक्ति प्राधिकारी का समाधान हो गया है कि वह स्थायीकरण हेतु अन्यथा योग्य है।

ज्येष्ठता 21-

(1) किसी व्यक्ति की ज्येष्ठता का निर्धारण उत्तराखण्ड सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 2002 के अनुसार किया जाएगा। किसी व्यक्ति की ज्येष्ठता का निर्धारण मौलिक नियुक्ति के आदेश के दिनांक से किया जाएगा और यदि दो या उससे अधिक व्यक्ति एक साथ नियुक्त किये जाते हैं तो उनकी ज्येष्ठता उस क्रम में निर्धारित की जाएगी जिसमें उनके नाम उसकी नियुक्ति आदेश में क्रमांकित किये जाते हैं;

परन्तु यह कि यदि नियुक्ति आदेश में कोई पूर्ववर्ती दिनांक विनिर्दिष्ट किया जाता है, जिससे कोई व्यक्ति मूल रूप में नियुक्त किया जाता है तो वह दिनांक उसकी मौलिक नियुक्ति आदेश का दिनांक माना जाएगा तथा अन्य मामले में इसे आदेश जारी किये जाने का दिनांक माना जाएगा;

परन्तु और यह कि यदि चयन के पश्चात् किसी के सम्बन्ध में एक से अधिक नियुक्ति आदेश जारी किए जाते हैं तो ज्येष्ठता वह होगी जो नियम 17 के उपनियम (2) के अधीन जारी किये गए संयुक्त नियुक्ति आदेश में उल्लिखित है।

(2) किसी एक चयन के परिणाम स्वरूप सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति व्यक्तियों की परस्पर ज्येष्ठता चयन सूची के प्रवीणता क्रम में होगी,

परन्तु यह कि यदि सीधी भर्ती वाला कोई अभ्यर्थी पद का प्रस्ताव प्रदान किये जाने पर बिना वैध कारणों से कार्यभार ग्रहण करने में असफल रहता है तो वह अपनी ज्येष्ठता खो सकता है।

भाग सात— वेतन आदि

- वेतनमान 22— (1) सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर नियुक्त व्यक्तियों का अनुमन्य वेतनमान (वेतनबैण्ड एवं ग्रेड वेतन) ऐसा होगा जैसा सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित किया जाय।
(2) इस नियमावली के प्रारम्भ के समय प्रवृत्त वेतनबैण्ड एवं ग्रेड वेतन परिशिष्ट 'क' में दिए गए हैं।

परिवीक्षा अवधि
के दौरान वेतन

- 23—(1) मूल नियमों में किसी प्रतिकूल प्राविधान के होते हुए भी परिवीक्षाधीन व्यक्ति, यदि विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण होने और प्रशिक्षण प्राप्त करने पर, समयमान में प्रथम वेतनवृद्धि की अनुमति प्रदान की जाएगी तथा दूसरी वेतनवृद्धि दो वर्ष की सेवा के पश्चात् परिवीक्षा अवधि पूर्ण किये जाने पर दी जाएगी:

परन्तु यह कि यदि समाधान प्रदान करने में असफल रहने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ाई जाती है तो जब तक नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निदेश न दें, ऐसी बढ़ाई गयी अवधि वेतनवृद्धि के लिए नहीं गिनी जाएगी।

- (2) परिवीक्षा के दौरान ऐसे व्यक्ति का वेतन, जो सरकार के अधीन पहले से ही पद धारण कर रहा है संगत मूल नियमों द्वारा विनियमित किया जाएगा:

- (3) परिवीक्षा के दौरान ऐसे व्यक्ति का वेतन, जो पहले से ही स्थायी सरकारी सेवा में है, राज्य के कार्यों से सम्बन्धित सामान्य सेवारत सेवकों पर लागू संगत नियमों द्वारा विनियमित किया जाएगा।

भाग आठ— अन्य प्राविधान

पक्ष समर्थन 24—

किसी पद या सेवा पर लागू नियमावली के अधीन अपेक्षित संस्तुति से भिन्न संस्तुति पर विचार नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थी की ओर से अपनी अभ्यर्थिता के लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समर्थन प्राप्त करने के प्रयास का प्रमाण उसे नियुक्ति के अयोग्य कर देगा।

अन्य विषयों का
विनियमन 25—

ऐसे विषयों के सम्बन्ध में, जो इन नियमों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते, सेवा में नियुक्त ऐसे व्यक्ति राज्य के कार्यों से सम्बन्धित सेवारत सरकारी सेवकों पर साधारणतः लागू विनियमों और आदेशों द्वारा विनियमित होंगे।

सेवा शर्तों का
शिथिलीकरण 26—

यदि राज्य सरकार का समाधान हो जाये कि सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तें विनियमित करने वाले किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशेष मामले में अनुचित कठिनाई हो सकती है तो वह इस मामले में लागू नियमावली में किसी बात के होते हुए भी आदेश द्वारा इस सीमा तक तथा ऐसी शर्तों के अधीन इस नियम की अपेक्षाओं से अभिमुक्त कर देगी या शिथिल कर देगी जो वह मामले के सम्बन्ध में न्यायोचित तथा साम्यतापूर्वक कार्यवाही करने के लिए उचित समझे:

परन्तु यह कि जहाँ कोई नियम आयोग के परामर्श से बनाया गया है, वहाँ नियम की अपेक्षाओं से अभिमुक्त करने या शिथिल करने से पूर्व आयोग से परामर्श करना होगा।

व्यावृत्ति 27-- इस नियमावली की किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे आरक्षण और अन्य रियायतों पर नहीं पड़ेगा जिनका इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य विशेष श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए उपबन्धित किया जाना अपेक्षित हो।

'परिशिष्ट'— 'क'
[देखिए नियम 4 का उपनियम (2)]

क्र.सं.	पद का नाम	वेतनबैण्ड	ग्रेड वेतन	संवर्गीय पद
1-	निदेशक(माध्यमिक शिक्षा)	1 ₹ 37400-67000	₹ 10000	03
	निदेशक(प्रारम्भिक शिक्षा)	1		
	निदेशक(अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण)	1		
2-	अपर शिक्षा निदेशक(महानिदेशालय)	1 ₹ 37400-67000	₹ 8900	10
	अपर शिक्षा निदेशक(माध्यमिक)	1		
	अपर शिक्षा निदेशक(प्रारम्भिक)	1		
	अपर शिक्षा निदेशक(एस.सी.ई.आर.टी.)	1		
	अपर शिक्षा निदेशक(सीमैट)	1		
	मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक(माध्यमिक/प्रारम्भिक)	4		
	सचिव, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद	1		
3-	संयुक्त शिक्षा निदेशक(महानिदेशालय)	1 ₹ 37400-67000	₹ 8700	23
	संयुक्त शिक्षा निदेशक(माध्यमिक)	2		
	संयुक्त शिक्षा निदेशक(प्रारम्भिक)	2		
	संयुक्त शिक्षा निदेशक(मध्याह्न भोजन)	1		
	विभागाध्यक्ष(सीमैट)	2		
	अपर सचिव, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद	2		
	मुख्य शिक्षा अधिकारी	13		
4-	उप शिक्षा निदेशक(महानिदेशालय)	1 ₹ 15600-39100	₹ 7600	40
	उप शिक्षा निदेशक(माध्यमिक शिक्षा निदेशालय)	7		
	उप शिक्षा निदेशक(प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय)	4		
	जिला शिक्षा अधिकारी(माध्यमिक)	13		
	जिला शिक्षा अधिकारी(प्रारम्भिक)	13		
	संयुक्त सचिव, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद	2		
5-	खण्ड शिक्षा अधिकारी	95 ₹ 15600-39100	₹ 6600	97
	उप सचिव, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद	1		
	राज्य विधि अधिकारी	1		
6-	उप शिक्षा अधिकारी	95 ₹ 15600-39100	₹ 5400	100
	स्टाफ ऑफिसर	2		
	विधि अधिकारी(प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय)	1		
	विधि अधिकारी मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक(माध्यमिक शिक्षा)	2		
सर्वों के कुल पदों की संख्या				273

आज्ञा से,
एस0 राजू,
प्रमुख सचिव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 4057/XXIV-2/2013-23(03)/2011, dated December 20, 2013 for general information :

No. 4057/XXIV-2/2013-23(03)/2011

Dated Dehradun, December 20, 2013

NOTIFICATION

Miscellaneous

In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution and in supersession of all existing Rules and Orders on the subject, the Governor is pleased to make the following Rules regulating recruitment and conditions of persons appointed to the Uttarakhand State Educational (Administrative Cadre) Service:--

**THE UTTARAKHAND STATE EDUCATIONAL (ADMINISTRATIVE CADRE)
SERVICE RULES, 2013**

PART I- GENERAL

- | | | |
|-------------------------------------|----|--|
| Short title and commencement | 1. | (1) These Rules may be called the Uttarakhand State Educational (Administrative Cadre) Service Rules 2013.
(2) They shall come into force at once. |
| Status of the Service | 2. | The Uttarakhand State Educational (Administrative Cadre) Service is a state service which comprises group 'A' and 'B' posts. |
| Definitions | 3. | In these Rules unless, there is anything repugnant in the subject or context-
(a) 'Appointing authority' means the Governor;
(b) 'Citizen of India' means a person who is or is deemed to be a citizen of India under Part II of the Constitution;
(c) 'Commission' means the Uttarakhand Public Service Commission;
(d) 'Constitution' means the Constitution of India;
(e) 'Government' means the State Government of Uttarakhand;
(f) 'Governor' means the Governor of Uttarakhand;
(g) 'Member of the service' means a person substantively appointed under these Rules or Orders in force prior to the commencement of these Rules to a post in the cadre of the service;
(h) 'Service' means the Uttarakhand State Educational (Administrative Cadre) Service;
(i) 'Substantive Appointment' means an appointment, not being an ad hoc appointment, on a post in the cadre of the service and made after selection in accordance with the Rules and, if there were no Rules, in accordance with the procedure prescribed for the time being by executive instructions issued by the Government; and |

- (ii) 'Year of recruitment' means a period of twelve months commencing from the first day of July of a calendar year.

PART II- CADRE

- Cadre Strength** 4. (1) The strength of the service and post of each category therein shall be such as may be determined by the Government from time to time.
(2) The strength of the service and post of each category therein shall, untill orders varying the same passed under sub-rule (1), be as given in the Appendix:
Provided that-
- (i) The appointing authority may leave unfilled or the Governor may hold in abeyance any vacant post, without thereby entitling any person to compensation;
 - (ii) The Governor may create such additional permanent or temporary posts as he may consider proper.

PART III- RECRUITMENT

- Source of Recruitment** 5. Recruitment to the post of various categories in the service shall be made from the following sources, namely:--

- (i) Director(Secondary Education)
Director(Elementary Education)
Director(Acedemic, Research and Training)
By Promotion on the basis of merit through the selection Committee from amongst substantively appointed Additional Directors mentioned at serial number 2 of the Appendix 'A', who have completed Three(3) year's service, as such, on the first day of the year of recruitment.
- (ii) Additional Director of Education (Director General/ Secondary Education/ Elementary Education/ SCERT/ SIEMAT)
Regional Additional Director (Secondary /Elementary)
Secretary, Uttrakhand Board of School Education
By promotion on the basis of merit through the Selection Committee from amongst substanatively appointed Joint Directors mentioned at serial number 3 of the Appendix 'A', who have completed Twenty (20) year's service in his /her cadre and two(2) year's service on the post of Joint Director on the first day of the year of recruitment.
- (iii) Joint Directors of Education (Director General/Secondary Education/Elementary Education)
Additional Secretary, Uttrakhand Board of Eduaction, Head of Deptt. SIEMAT, Chief Education Officers
By promotion on the basis of merit through the Selection Committee from amongst substanatively appointed Deputy Directors mentioned at serial number 4 of the Appendix 'A', who have completed two(2) years service on the post of Deputy Director on the first day of

- the year of recruitment and have completed fifteen(15) year's service in his/her cadre
- (iv) Deputy Directors(Director General/Secondary Education/ Elementry Education) , Joint Secretary, Uttrakhand Board of Eduaction, District Education officers (Secondary / Elementry) By promotion through the Selection Committee from amongst substanatively appointed officers who have completed four (4) year's service on the post mentioned at serial number 5 of Appendix 'A', or have completed ten(10) years service in his/her cadre on the first day of the year of recruitment.
- (v) Block Education officers, Deputy secretary, Uttrakhand Board of School Education, State law Officer (Director General and Secondary Education) By promotion through the Selection Committee from amongst permanent officers mentioned at serial number 6 of the Appendix 'A', who have completed five(5) years service on the first day of the year of recruitment.
- (vi) (a) Deputy Education Officers, Staff Officer (Director Secondary / Director Elementary) 100 percent by direct recruitment through Public Service Commission.
- (b) Law Officer (Elementary Eduaction Directorate), Regional Law Officers (Secondary & Elementary) From amongst working officers at serial no. 6 of the Appendix 'A', who have obtained Bachelor Degree in Law from a University established by law in India.

Note- If sufficient number of the suitable eligible officer's are not available for promotion to the post mentioned at serial number (ii) additional Director of Education and serial number (iii) Joint Director of Education, Therefore the requisite length of sevice in his/her cadre respectively shall be relaxed maximum upto 50 percent (Fifty percent) only in Selection year 2013-14

- Reservation 6.** Reservation for the candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and other Categories belonging to the State of Uttrakhand shall be made in according with the orders of the Government in force at time of the recruitment.

PART IV- QUALIFICATION

- Nationality 7.** A candidate for direct recruitment to a post in the service must be--
- (a) a citizen of India; or
 - (b) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently setting in India; or
 - (c) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Ceylon or any of the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania(formerly Tanganika and Zanzibar) with the intention of permanently setting in India:

Provided that a candidate belonging to category (b) or (c) above must be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the State Government:

Provided further that a candidate belonging to category (b) will also be required to obtain a certificate of eligibility granted by the Inspector General of Police, Intelligence Branch, Uttarakhand:

Provided also that if a candidate belongs to category (c) above, no certificate of eligibility will be issued for a period of more than one year and the retention of such a candidate in service beyond a period of one year, shall be subject to his acquiring Indian citizenship.

Note-- A Candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary but the same has neither been issued nor refused, may be admitted to an examination or interview and he provisionally appointed subject to the necessary certificate being obtained by him or issued in his favour.

**Academic
Qualification**

8. A candidate must have following qualifications for appointment:--

Sl.No.	Post	Qualificatuon
1.	Deputy Education Officer/ Staff Officer/ Law Officer	<u>Essential</u> A Post-graduate Degree from a University established by law in India. <u>Preferential</u> A graduate Training degree in education (B.Ed.) from a University established by law in India.

**Preferential
Qualification**

9. A candidate who has--
(i) served in the Territorial Army for a minimum period of two years, or (ii) obtained a 'B' certificate of National Cadet Corps, shall, other things being equal, be given preference in the matter of direct recruitment.

Age

10. (i) A candidate for direct recruitment must have attained the minimum age of 21 years and maximum age limit determined according to "Uttarakhand recruitment service (Age Limit) Rules, 2004 (as amended time to time) on 1st July of the calendar year in which the posts are advertised by the Commission.

Provided that the upper age limit in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and such other Categories as may be notified by the Government from time to time shall be granted age relaxation by such number of years as may be specified.

Character

11. The character of a candidate for direct recruitment to a post in the service must be such as to render him suitable in all respects for employment in Government Service. The appointing authority shall satisfy itself on this point.

Note-- Persons dismissed by the Union Government or a State Government or by a Local Authority or a Corporation or Body owned or controlled by the Union Government or a State Government shall be ineligible for appointment to any post in the Service. Persons convicted of an offence involving moral turpitude shall also be ineligible.

- Marital Status** 12. A male candidate who has more than one wife living or a female candidate who has married a man, already having a wife living shall not be eligible for appointment to a post in the service:

Provided that the Government may, if satisfied that there exist special grounds for doing so, exempt any person from operation of this Rule.

- Physical Fitness** 13. No candidate shall be appointed to a post in the service unless he be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of his duties. Before a candidate is finally approved for appointment he shall be required to produce a Medical Certificate of fitness given by a Medical Board.

Provided that a medical certificate of fitness shall not be required from a candidate recruited by promotion.

PART V- PROCEDURE FOR RECRUITMENT

- Determination of vacancies** 14. The appointing authority shall determine and intimate to the Commission the number of vacancies to be filled during the course of the years as also the number of vacancies to be reserved for candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and other Categories belonging to State of Uttarakhand under Rule 6.

- Procedure of Recruitment** 15. (1) Applications for permission to appear in the competitive examination shall be called by the Commission in the prescribed form.

- (2) No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission, issued by the Commission.

- (3) After the result of the written examination have been received and tabulated, the Commission shall, having regard to the need for securing due representation of the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and other Categories under Rule 6, summon for interview such number of candidate as on the result of the written examination, have come up to the standard fixed by the Commission in this respect. The marks awarded to each candidate at the interview shall be added to the marks obtained by him in the written examination.

- (4) The Commission shall prepare a list of candidates in order of their proficiency as disclosed by the aggregate of marks obtained by each candidate at the written examination and interview and recommend such number of candidates as they consider fit for appointment. If two or more candidates obtain equal marks in the aggregate, the name of the candidate who have preferential qualification, the name of the candidate obtaining preferential qualification shall be placed higher in the list.

If two or more candidates obtain equal marks in aggregate and also have equal preferential qualification, the name of the candidate obtaining higher marks in the written examination, shall be placed higher in the list.

If two or more candidates obtain equal marks in aggregate and also have equal preferential qualification, (If have) and obtain equal marks in written examination also, the name of the candidate senior in age shall be place higher in the list.

If two or more candidates obtain equal marks in aggeregate, also have equal preferntial qualification and obtain equal marks in written examination and equal in age, the name of the candidate shall be place higher in the list as per order of English Alphabet use in dictionary.

The number of names in the list shall not be larger than the number of vacancies. The commission shall forward the list to the Appointing Authority.

Note-- The syllabus and rules for competitive examination shall such as may be perscribed by the Commission from time to time.

**Procedure for
recruitment by
promotion
through the
Selection
Committee**

16.(1) Recruitment by promotion shall be made on the basis of Uttarakhand Constitution of departmental promotion Committee (for the post outside the purview of the Public Service Commission) rules 2002 as amended time to time as follows:--

- (i) Recruitment by promotion to the posts mentioned at serial number 1 Director and serial number 2 Additional Director's of the Appendix shall be made on the basis of merit through a Selection Committee comprising as rule number 4 (ka) of Uttarakhand Constitution of departmental promotion Committee (for the post outside the purview of the Public Service Commission) rules 2002
- (ii) Recruitment by promotion to the post mentioned at serial number 3 Joint Director of the Appendix 'A' shall be made on the basis of merit through the Selection Committee comprising--

(a) Principal Secretary or Secretary in the Department of School Education, Government of Uttrakhand - Chairman

(b) Principal Secretary or Secretary in the Department of Personnel, Government of Uttrakhand, or his nominee not below the rank of Additional Secretary - Member

(c) Director General, School Education Uttarakhand- Member

- (iii) Recruitment by promotion to the posts mentioned at serial number 4 and 5 of the Appendix 'A' shall be made on the basis of seniority to the rejection of unfit through the Selection Committee comprising-

(a) Principal Secretary or Secretary in the Department of School Education, Government of Uttrakhand - Chairman

(b) Principal Secretary or Secretary in the Department of Personnel, Government of Uttrakhand, or his nominee not below the rank of Additional Secretary - Member

(c) Director General, School Education Uttrakhand- Member

- (2) The appointing authority shall prepare an eligibility list of the candidates arranged in order of merit/seniority, and place it before the selection committee alongwith their character rolls and such other record, pertaining to them, as may be considered proper.
- (3) The selection committee shall consider the cases of candidates on the basis of the records, referred to in sub-rule (2), and if it considers necessary, it may interview the candidates also.
- (4) The selection committee shall prepare a list of selected candidates arranged in order of seniority and forward the same to the appointing authority.

Note-- The senior officer as mentioned is para (a) and (b) of (ii) and para (a) and (b) of (iii) of rule 16(1) shall be preside the meeting.

PART VI- APPOINTMENT, PROBATION, CONFIRMATION AND SENIORITY

- Appointment** 17. (1) Subject to the provisions of sub-rule (2) the appointing authority shall make appointment by taking the names of candidate in the order of merit in which they stand in the selection list prepared under rule 15 and 16.
- (2) If more than one orders of appointment are issued in respect of any one selection, a combined order shall also be issued, mentioning the names of the persons in order of seniority as determined in merit of selection list.

- Probation** 18. (1) A person appointed by Direct selection through Commission on different categories of posts in the service shall be placed on probation for a period of two year.
- (2) The appointing authourity may. for reasons to be recorded, extend the period of probation in individual cases specifying the date up to which the extension is granted:

Provided that, save in exceptional circumstances, the period of probation shall not be extended beyond one year and in no circumstance beyond two years.

- (3) If it appears to the appointing authourity at any time during or at the end of the period of probation or extended period of probation that a probationer has not made sufficient use of his oppurtunities or has otherwise failed to give satisfaction his services may be dispensed with.
- (4) The appointing authority may allow continuous services, rendered in an officiating or temporary capacity in a post included in the cadre or any other equivalent or higher post, to be taken into account for the purpose of computing the period of probation.

- Training and departmental Examination** 19. Every person selected to the service by direct recruitment shall be required to undergo such training and pass such departmental examination as may be prescribed by the Government from time to time.

- Confirmation** 20- A probationer shall be confirmed in his appointment at the end of the period of probation or the extended period of probation if--
- (a) he has passed the perscribed departmental examination, if any
 - (b) he has successfully undergone the prescribed training, if any

- (c) his work and conduct are reported to be satisfactory,
- (d) his integrity is certified,
- (e) the appointing authority is satisfied that he is otherwise fit for confirmation.

Seniority

21. (1) The seniority of persons in any category of post shall be determined according to the Uttarakhand Government Servants Seniority Rules, 2002. The Seniority of persons in any category of post shall be determined from the date of the orders of substantive appointment and if two or more persons are appointed together, by such order in which their names are arranged in the appointment order:

Provided that if the appointment order specifies a particular back date with effect from which a person is substantively appointed, that date will be deemed to be the date of order of substantive appointment and, in other cases, it will mean the date of issue of the order:

Provided also that if more than one orders of appointment are issued in respect of any one selection, the seniority shall be determined as it is mentioned in the combined appointment order issued under sub rule (2) of rule 17.

- (2) The seniority *inter se* of persons appointed directly on the result of any one selection shall be the same as merit of Selection list,

Provided that a candidate recruited directly may lose his seniority if he fails to join without valid reasons when vacancy is offered to him.

PART VII- PAY ETC.

Pay Scale

22. (1) The Scale of pay (Pay band and Grade pay) admissible to a person appointed to a post in the cadre of the service shall be such as may be determined by the Government from time to time.
- (2) The Pay band and Grade pay of the service in force at the commencement of these Rules are given in Appendix 'A'.

Pay during probation

23. (1) Notwithstanding any provision in the Fundamental Rules, to the contrary, a person on probation, shall be allowed his first increment in the time scale when he has completed one year of satisfactory service and passed departmental examination and undergone training and second increment after two years' service when he has completed the probationary period and is also confirmed:

Provided that if the period of probation is extended due to failure to give satisfaction such extension shall not account for increment unless the appointing authority directs otherwise.

- (2) The pay during probation of a person, who has already been holding a post under the Government, shall be regulated by the relevant Fundamental Rules.

- (3) The pay during probation of such persons, who has already been holding a confirm post under the Government, shall be regulated by the relevant Fundamental Rules, applicable to Government servants generally serving in connection with the affairs of the State.

PART VIII- OTHER PROVISIONS

- Canvassing** 24. No recommendations, either written or oral, other than those required under the Rules applicable to the post or service will be taken into consideration. Proof of any attempt on the part of a candidate to enlist support directly or indirectly for his candidature will disqualify him for appointment.
- Regulation of other matters** 25. In regard to the matters not specifically covered by these Rules or by special orders, the persons appointed to the service shall be governed by the Rules, regulations and orders, applicable generally to Government servants serving in connection with the affairs of the State.
- Relaxation in the conditions of service** 26. Where the State Government is satisfied that the operation of any rule regulating the conditions of service of persons appointed to the service causes hardship in any particular case, it may, notwithstanding anything contained in the rule applicable to the case, by order, dispense with or relax the requirements of that rule to such extent and subject to such conditions as it may consider necessary for dealing with case in a just and equitable manner:
- Provided that where a rule has been framed in consultation with the Commission, that body shall be consulted before the requirements of the rule are dispensed with or relaxed.
- Savings** 27. Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and other special categories of persons in accordance with the orders of the Government issued from time to time in this regard.

APPENDIX 'A'
[See sub rule (2) of rule 4]

Sl No.	Name of the Post		Pay Band	Grade pay	No. of Cadre Post
1-	Director(Secondary Education)	1	₹ 37400-67000	₹ 10000	03
	Director(Elementary Education)	1			
	Director(Academic, Research & Training)	1			
2-	Additional Director(Director General)	1	₹ 37400-67000	₹ 8900	10
	Additional Director(Secondary Education)	1			
	Additional Director(Elementary Education)	1			
	Additional Director(SCERT)	1			
	Additional Director(SIEMAT)	1			
	Regional Additional Directors(Secondary/Elementary)	4			
	Secretary, Uttarakhand Board of School Education	1			
3-	Joint Director(Director General)	1	₹ 37400-67000	₹ 8700	23
	Joint Directors(Secondary)	2			
	Joint Directors(Elementary)	2			
	Joint Director(Mid Day Meal)	1			
	Head of the Department(SIEMAT)	2			
	Additional Secretary Uttarakhand Board of School Education	2			
	Chief Education Officer	13			
4-	Deputy Director(Director General)	1	₹ 15600-39100	₹ 7600	40
	Deputy Directors(Secondary Education Directorate)	7			
	Deputy Directors(Elementary Education Directorate)	4			
	District Education Officers(Secondary Education)	13			
	District Education Officers(Elementary Education)	13			
	Joint Secretary Uttarakhand Board of School Education	2			
5-	Block Education Officers	95	₹ 15600-39100	₹ 6600	97
	Deputy Secretary Uttarakhand Board of School Education	1			
	State Law Officer(Director General & Directorate Secondary Education)	1			
6-	Deputy Education Officers	95	₹ 15600-39100	₹ 5400	100
	Staff Officer(Directorate Secondary/Elementary)	2			
	Law Officer(Elementary Education Directorate)	1			
	Regional Law Officers(Secondary and Elementary)	2			
	Total Number of Posts in Cadre				273

By Order,

S. RAJU,
Principal Secretary.